Regarding recruitment of aspirants from marginalized communities in Defence and Paramilitary Forces

श्री राजीव राय (घोसी) : मैडम, मैं उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के उस इलाके से आता हूं, जहां सबसे ज्यादा लोग सेना और पैरामिलिट्री फोर्सेस में हैं और सबसे ज्यादा शहीद भी यहीं से हैं । मैडम, आज भी हमारे यहां सुबह सड़कों पर आप निकलेंगी तो देखेंगी कि सड़क के दोनों तरफ नौजवान इस उम्मीद में दौड़ लगा रहे हैं कि कहीं न कहीं उनकी भर्ती हो जाएगी । हालांकि, सरकार ने उन नौजवानों के अरमानों का गला अग्निवीर स्कीम लाकर घोंट दिया है, जो वे अपनी पूरी जिंदगी सेना और देश पर न्यौछावर करना चाहते थे । हम जब मौका मिलेगा इसको बंद करेंगे ही करेंगे तब तक के लिए मैं आपसे गुजारिश करता हूं कि हमारे यहां कोई उद्योगधंधा नहीं है, रोजगार के कोई साधन नहीं हैं । हमारे यहां के छोटे-छोटे किसानों की हालत मजदूरों से भी बदतर है । उन घरों के बच्चे, मऊ, बलिया और पूर्वांचल के आस-पास के जिलों के बच्चे इस उम्मीद में रहते हैं कि सेना या पैरामिलिट्री फोर्स में नौकरी लग जाएगी तो शायद उनकी जिंदगी भी पटरी पर आ जाएगी और साथ ही साथ देश की सेवा भी कर पाएंगे । समस्या यह है कि एक तो ऑलरेडी बहुत गरीबी है, दूसरा, हमारे यहां से भर्ती कैम्प बहुत दूर है । हमारा सबसे ज्यादा घनी आबादी वाला इलाका है । मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि मऊ में सेना और पॅरामिलिट्री फोर्सेस की भर्ती के कैम्प और उनकी भर्ती से पहले की ट्रेनिंग देने की शुरूआत की जाए । जिसमें टेक्निकल और मेडिकल जानकारी के अभाव में बहुत सारे युवा छंट जाते हैं । चूंकि कोई उद्योग नहीं है, बेरोजगारी है और कोई मां के पेट से अपराधी पैदा होकर नहीं आता है । अपराध की संख्या जो बढ़ी है, उसमें बेरोजगारी और साधनों की कमी है । ऐसे नौजवानों को सेना में भर्ती करके देश की सेवा करने का मौका दिया जाए । मऊ में भर्ती का केन्द्र खोला जाए और भर्ती से पहले प्री मेडिकल और टेक्निकल ट्रेनिंग देने की कृपा करें । इससे बेरोजगारी की समस्या दूर होगी और देश की सेवा भी हो सकेगी । मैं पुन: दोहराना चाहता हूं और अपने लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि जब भी मौका मिलेगा अग्निवीर स्कीम को खत्म करके पूरी जिंदगी आपको सेवा का मौका दिया जाएगा ।

माननीय सभापति : माननीय सदस्यगणों, अब मैं शून्य काल की कल की सूची ले रही हूं । समय की कमी है, इसलिए आप सभी से आग्रह है कि एक-एक मिनट में अपनी बात रखें ताकि सभी माननीय सदस्यों को मौका मिल सके ।